नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

वन कटाई माफिया का समूल नाश हो

मध्य प्रदेश की पहचान केवल भौगोलिक दृष्टि से विशाल राज्य होने की नहीं है, बल्कि यह देश के सबसे समृद्ध वन क्षेत्रों में भी शामिल है. यही जंगल प्रदेश को 'टाइगर स्टेट' और 'चीता स्टेट' का गौरव दिलाते हैं. वन संपदा ही प्रदेश के पर्यावरण, जैव विविधता, जल संरक्षण और पर्यटन अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है. इसलिए जंगलों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या कटाई केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि प्रदेश के भविष्य पर सीधा हमला है.

खंडवा जिले के आमाखुजरी क्षेत्र में वन विभाग की टीम पर हुआ हिंसक हमला अत्यंत चिंताजनक है. जब वनकर्मी सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने और पुनर्वनीकरण के लिए पहुंचे, तब सैकड़ों लोगों ने उन पर पत्थरों, गोफनों और लाठियों से हमला कर दिया. कई वनकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए. यदि सरकारी कर्मचारी अपने वैधानिक कर्तव्य का निर्वहन भी सुरक्षित वातावरण में नहीं कर सकते, तो यह कानून के शासन के लिए गंभीर चुनौती है. चिंता की बात यह है कि यह कोई पहली घटना नहीं है. पिछले दो वर्षों में केवल खंडवा और बुरहानपुर क्षेत्र में वन विभाग की टीम पर दस बार हमले हो चुके हैं. इससे स्पष्ट है कि वन अतिक्रमण अब संगठित माफिया का रूप ले चुका है. हर वर्ष वर्षा ऋतु के दौरान जंगल काटकर अवैध खेती करने और सरकारी भूमि पर कब्जा करने का सुनियोजित प्रयास किया जाता है. यदि समय रहते इसे नहीं रोका गया, तो प्रदेश की वन संपदा को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी.

सरकार ने इस बार 600 से अधिक कर्मचारियों, पुलिस बल, प्रशासन और आधुनिक तकनीक की सहायता से व्यापक अभियान चलाकर बड़ी मात्रा में वनभूमि को मुक्त कराया है. अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए गए हैं और पुनर्वनीकरण का कार्य भी प्रारंभ हुआ है. यह स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन केवल अभियान चलाना पर्याप्त नहीं होगा. आवश्यकता इस बात की है कि वन कटाई और अतिक्रमण के पूरे नेटवर्क की पहचान कर उसके आर्थिक और आपराधिक तंत्र को भी ध्वस्त किया जाए.

वनकर्मियों की सुरक्षा भी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए. यदि परिस्थितियां लगातार हिंसक बनी रहती हैं, तो उन्हें पर्याप्त सुरक्षा उपकरण, आधुनिक संचार व्यवस्था, ड्रोन निगरानी तथा आवश्यकतानुसार सशस्त्र सुरक्षा उपलब्ध कराई जानी चाहिए. साथ ही, वन अपराधों के मामलों में त्वरित सुनवाई और कठोर दंड सुनिश्चित किए जाएं, ताकि कानून का भय स्थापित हो सके. जंगल केवल पेड़ों का समूह नहीं हैं. वे नदियों के स्रोत हैं, वन्यजीवों का घर हैं, आदिवासी जीवन का आधार हैं और आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक धरोहर हैं. इनके संरक्षण की जिम्मेदारी केवल वन विभाग की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है. स्थानीय समुदायों को भी संरक्षण अभियान का सहभागी बनाना होगा, ताकि वे माफिया के प्रभाव में आने के बजाय जंगल बचाने की मुहिम का हिस्सा बनें.

मध्य प्रदेश यदि अपनी प्राकृतिक पहचान और पर्यावरणीय विरासत को सुरक्षित रखना चाहता है, तो वन कटाई और अतिक्रमण करने वाले माफिया के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनानी होगी. अब समय आ गया है कि ऐसे तत्वों का केवल दमन नहीं, बल्कि उनके पूरे तंत्र का समूल नाश किया जाए. यही प्रदेश, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के हित में सबसे आवश्यक कदम होगा.

ट्रंप ने फेक डाटा के आधार पर लगाया था टैरिफ

मनमाने दावे करने की आदत

ट्रंप के बड़बोलेपन, विकृत दृष्टिकोण और फेक दावों का ही नतीजा है कि उनकी वैश्विक छवि निरंतर निचले पायदान की और गिरती जा रही है. प्यू रिसर्च सेंटर के 2026 ग्लोबल एटीट्यूडसर्वे में ट्रंप के बारे में जबरदस्त नकारात्मक राय सामने आई है कि मात्र 23 प्रतिशत वयस्कों को ही वर्ल्ड अफेयर्स के नेतृत्व में ट्रंप पर विश्वास है. 36 देशों के 74 प्रतिशत वयस्क ट्रंप की ईरान नीति से सहमत नहीं हैं. ट्रंप की टैरिफ नीतियां भी लोगों को पसंद नहीं है, खासकर उन देशों में जिनसे अमेरिका का व्यापार है. भारत में तो 82 प्रतिशत लोग इनके विरोध में हैं.

भारत पर टैरिफ थोपने के लिए ट्रंप ने अपनी ही सरकार के डाटा को मानने से इनकार कर दिया था. ट्रंप का भारत के प्रति विकृत दृष्टिकोण केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका विस्तार अंतरराष्ट्रीय शांति स्थापना तक है. अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान ट्रंप को व्हाइट हाउस में पहुंचे हुए 10 दिन ही बीते थे कि 30 जनवरी 2024 को 'कमांडर का इरादा' स्थापित करने हेतु बैठक बुलाई गई, विशेषकर इसलिए, कि रूस-यूक्रेन युद्ध पर विराम लगाया जा सके.

बैठक में वाणिज्य सचिव हावर्ड लुटनिक ने यूएसटीआर (ऑफिस ऑफ द यूएस ट्रेड रेप्रिजेंटिव) का डाटा पेश करते हुए बताया कि अमेरिकी गुड्स पर भारतीय टैरिफ ट्रंप के अनुमान से बहुत कम है. डाटा इस बात के समर्थन में नहीं था कि ट्रंप भारत पर अत्यधिक टैरिफ लगाएं. ट्रंप ने ढेर सारी गालियां देते हुए अपनी ही सरकार के डाटा को 'बकवास' बताया. सभी अधिकारियों ने चाटुकारिता करते हुए ट्रंप की 'हां में हां' मिलाई. लुटनिक के समर्थन में सिर्फ हाउस स्पीकर माइक जॉनसन थे, जिन्होंने कहा कि बेलगाम टैरिफ लगाने से अमेरिकी ऑटोमोटिव सेक्टर बर्बाद हो जाएगा, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? ट्रंप ने कहा कि वह जिम्मेदारी लेंगे और आखिरकार नतीजा यह हुआ कि दिल्ली पर 50 प्रतिशत टैरिफ थोप दिया गया, जो कि अमेरिका के सभी ट्रेडिंग पार्टनर्स में सबसे अधिक था और जिसकी वजह से अमेरिका व भारत के संबंध बिगड़े. यह पहला अवसर नहीं था जब फेक डाटा, जिसका स्रोत कोई नहीं जानता, से भारत को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया गया. ट्रंप ने आईबीएम, डेल व इंटेल के प्रतिनिधियों पर दबाव डाला कि वह अपनी फैक्ट्रियां अमेरिका में ही लगाएं, क्योंकि अमेरिका के ट्रेडिंग पार्टनर्स उसके साथ सौतेला व्यवहार करते हैं. चीन अनुचित ढंग से 150 से 200 प्रतिशत का टैरिफ लगाता है और भारत 175 प्रतिशत.

जाहिर है यह झूठ है. वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के अनुसार, भारत की मानक औसत टैरिफ दर आम तौर से 10 से 12 प्रतिशत के करीब है. भारत कुछ अति विशिष्ट, एकल लक्जरी चीजों (जैसे आयातित शराब पर 150 प्रतिशत टैरिफ) पर उच्च टैरिफ लगाता है, लेकिन ट्रंप का यह दावा पूर्णत: निराधार था कि भारत ने अमेरिकी सामान पर एकमुश्त 175 प्रतिशत टैरिफ लगाया हुआ है. इसके बावजूद अमेरिकी ट्रेड डाटा के अधिकारियों सहित कोई भी ट्रंप को यह न समझा सका कि वह फेक डाटा प्रस्तुत कर रहे हैं. अमेरिका में अर्थशास्त्री अक्सर अपने प्रकाशित पेपर्स में सरकारी डाटा को चुनौती देते हैं, थिंक टैंक्स सरकारी डाटा की आलोचना करते हुए रिपोर्टस जारी करते हैं और सांसद इन्हें समझने के लिए अध्ययन कमीशन बनाते हैं. लेकिन ट्रंप चौथे विकल्प का चयन करते हैं डाटा पर इतना चिल्लाओ कि वह बदल जाए.

ट्रंप ने दावा किया था कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल के दौरान 25 मिलियन अवैध अप्रवासियों ने घुसपैठ की थी. अगर यह दावा सही होता तो अमेरिका की जनसंख्या 4 वर्ष में 8 प्रतिशत बढ़ जाती. ट्रंप ने यह दावा भी किया था कि उनकी नीतियों ने दवाओं की कीमत 600, 700 या 800 प्रतिशत कम की, जो कि असंभव है. बशर्ते कि फार्मा कंपनियां रोगियों को दवा सेवन के लिए स्वयं पैसे दें. ट्रंप के बड़बोलेपन और फेक दावों की सूची बहुत लंबी है.

ट्रंप ने दर्जनों बार दोहराया कि भारत-पाक युद्ध उन्होंने ट्रेड करने का लालच देकर रुकवाया. भारत इस दावे का खंडन करता है. दूसरा यह कि लगभग 3 माह चले ईरान युद्ध के दौरान ट्रंप ने अनेक बार दावा किया कि ईरान की नेवी, एयरफोर्स, मिसाइल पावर को पूर्णत: खत्म कर दिया गया है, लेकिन दुनिया ने एफ-35 विमानों को गिरते हुए देखा और ट्रंप ईरान की मर्जी के बिना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खुलवा भी न सके.

-डॉ. अनिता राठौर

मालवा- निमाड़ की डायरी

डोडियार की पंचायत-निकाय जीतने की तैयारी

संजय व्यास

भारत आदिवासी पार्टी (बाप) के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार ने इन दिनों आक्रामक रुख के साथ मैदान सम्हाल रखा है. बाप को प्रदेश की एकमात्र सैलाना विधान सभा सीट दिलाकर पार्टी की सफलता का द्वार खोलने वाले डोडियार की नजर अब अगले वर्ष होने वाले पंचायत, निकाय चुनाव पर गड़ी है. बेटों के जनम दिन के बहाने विगत दिनों उन्होंने कार्यकर्ता मिलन समारोह आयोजित किया और रतलाम जिले की चारों पंचायतों सहित सैलाना क्षेत्र की सभी पंचायतों व निकायों पर जीत की रणनीति का खाका कार्यकर्ताओं के समक्ष रख दिया.

डोडियार ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया. साथ ही आगामी पंचायत चुनावों में विधानसभा क्षेत्र की सभी 112 सरपंच सीटों, सैलाना और बाजना जनपद के सभी जनपद सदस्य पदों, दोनों जनपद अध्यक्ष पदों तथा जिले की चारों जिला पंचायत सीटों पर जीत हासिल करना लक्ष्य कार्यकर्ताओं को सौंपा है. समारोह में बाप कार्यकर्ता ही नहीं, भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा, आदिवासी परिवार व जयस से जुड़े प्रतिनिधि भी शामिल हुए.

इस बार चुनावी राह आसान नहीं

कमलेश्वर डोडियार भले ही आगामी चुनावों के मद्देनजर अन्य आदिवासी संस्थाओं को जोडक़र भारत आदिवासी पार्टी के लिए तगड़ी फिल्डिंग कर रहे हैं, पर विधान सभा चुनाव की तरह इस बार चुनावी राह इतनी आसान नहीं रहेगी. रतलाम कांग्रेस जिला अध्यक्ष हर्ष विजय गहलोत गत विधान सभा चुनाव में हार के बाद से हाथ से फिसली खोई जमीन वापसी की तैयारी में लगे हुए हैं. अपने से दूर हो चुके मतदाताओं में फिर पकड़ बनाने की मशक्कत कर रहे हैं. वहीं भाजपा भी पंचायत चुनाव में वर्चस्व बनाने का भरसक प्रयत्न कर रही है. हाल ही का कार्यकर्ता सम्मेलन इसका उदाहरण है. विधान सभा चुनाव में जो मनमुटाव- कमजोरियां सामने आईं थी, उन्हें सुलझा लिया गया है.

सम्मेलन के दौरान पूर्व सैलाना विधायक संगीता चारेल और पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष क्रांति जोशी ने मंच से पार्टी कार्यकर्ताओं में एकजुटता और मजबूती के साथ कार्य करने की बात कही. हालांकि डोडियार का दावा है कि भारत आदिवासी पार्टी आगामी पंचायती राज चुनाव पूरी मजबूती और संगठनात्मक ताकत के साथ लड़ेगी और जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज करने के साथ ही सैलाना, बाजना, रतलाम ग्रामीण एवं पिपलोदा जनपदों में जनपद अध्यक्ष पदों पर भी अपना परचम लहराएगी. इसके अलावा अधिक से अधिक सरपंच पदों पर विजय हासिल कर क्षेत्र की राजनीति में नया इतिहास रचेगी.

मंजू दादू का क्षेत्र बदलने का मन

विगत दिनों नेपानगर विधायक मंजू दादू को लेकर लापता विधायक के पोस्टर क्षेत्र में काफी हलचल मचाई. इस मुद्दे पर कांग्रेस ने भाजपा को आड़े हाथ लिया. पूर्व प्रदेश महासचिव अजय रघुवंशी ने टिप्पणी की कि विधायक बनने के बाद जनप्रतिनिधि क्षेत्र से गायब हैं और जनता में इसी बात को लेकर नाराजगी है. बीजेपी नेता जनता की समस्याओं से दूर हो चुके हैं. बचाव में बुरहानपुर भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज माने को मैदान सम्हालना पड़ा. आरोपों को निराधार बताते हुए उन्होंने कहा कि विधायक मंजू दादू और बुरहानपुर की विधायक अर्चना चिटनिस दोनों ही क्षेत्र में सक्रिय हैं और लगातार जनता के बीच काम कर रही हैं. उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि मुद्दों की कमी के कारण वह इस तरह की घटनाओं को राजनीतिक रंग दे रही है. खैर आरोप-प्रत्यारोप का दौर थम गया, पर चर्चा है कि नेपा की पूर्व विधायक सुमित्रा कास्डेकर से प्रतिस्पर्धा और अगले चुनाव में संभावित दावेदारी की वजह से मंजू दादू नेपा की बजाए अन्य जगह तलाश रही हैं.

जुलूस में शामिल लोग सतर्कता बरतें

कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था कि ऐसा कुछ हो सकता है! यह घटना अत्यंत सनसनीखेज है कि मुंबई के भायखला इलाके में मुहर्रम के जुलूस में पेनकिलर के नाम पर एक व्यक्ति चूहा मारने के जहर (जिंक फॉस्फाइड) से बनी कैप्सूल बांटता पकड़ा गया. उसका लक्ष्य 30,000 लोगों को मारना था. आखिर उसने ऐसा भयानक कुकृत्य क्यों किया और उसके पीछे कौन लोग थे? यह किसी गहरी साजिश का मामला प्रतीत होता है. आम तौर पर मुहर्रम के जुलूस में लोग खुद को घायल करते व खून बहाते हैं. इससे शारीरिक पीड़ा होना स्वाभाविक है. ऐसे में दर्द निवारक दवा के नाम पर कैप्सूल बांटने वाला उनका हमदर्द नहीं, बल्कि कातिल साबित हो सकता था. फैयाज प्रेमजी नामक इस व्यक्ति ने कबूल किया कि उसने मुहर्रम के जुलूस को निशाना बनाने के लिए 50 किलो जिंक फॉस्फाइड मंगाया था तथा हर कैप्सूल में एक एक ग्राम जहर मिला रहा था. वह बड़े पैमाने पर कैप्सूल बांट पाता, इसके पहले ही पुलिस की गिरफ्त में आ गया. जब जुलूस में शामिल एक व्यक्ति को पेट दर्द व उल्टी की शिकायत हुई तो पुलिस ने पेनकिलर के नाम पर जहर बांटने वाले संदिग्ध को हिरासत में लिया. उसके पास से 14,900 कैप्सूल बरामद हुए. क्या वह व्यक्ति किसी गिरोह का सदस्य था या अकेले ही उसने यह जानलेवा साजिश रची थी, इसका पता लगाया जाना चाहिए. अपने ही मजहब के लोगों की जान लेने की कोशिश उसने क्यों की? इससे उसकी विकृत मानसिकता का पता चलता है. पुलिस की तत्परता से बड़ी त्रासदी टल गई, लेकिन इसके बाद हर जुलूस में कड़ी निगरानी रखनी होगी, ताकि कोई सिरफिरा वहां आकर मौत का खेल न खेले.

कैप्सूल बांटने वाला शख्स यदि अपने मकसद में कामयाब हो जाता तो कितने ही लोगों की जान जा सकती थी. ऐसे किसी भी जुलूस में लोगों को किसी अपरिचित द्वारा दी गई चीज हरगिज नहीं खानी चाहिए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

डिजिटल अरेस्ट का बोलबाला ठगों से न पड़ जाए पाला

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हमें डर लग रहा है कि कहीं अरेस्ट न हो पजाएं. ऐसा हुआ तो हमारे परिवार का क्या होगा? हमें कोई उपाय बताइए.'

हमने कहा, 'जब आपने कोई गुनाह नहीं किया है तो घबराने की क्या जरूरत है? न तो आपने किसी मंदिर के दान-चंदे पर हाथ साफ किया है, न कोई बड़ा जमीन घोटाला किया है. आपको कोई अरेस्ट नहीं करेगा.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, हमारा मतलब यह है कि कहीं हम डिजिटल अरेस्ट के शिकार न हो जाएं. कितने ही पढ़े-लिखे लोग इस तरह की मुसीबत झेल रहे हैं.' हमने कहा, 'अनजान व्यक्तियों के फोन कॉल मत उठाइए. किसी फरेबी इंसान की बातों में न आइए. लुभावना ऑफर देने वाले से सतर्क रहिए. बेकार की धमकियों से डरने की जरूरत नहीं. अपना यूजर आई, पासवर्ड, पिन नंबर, ओटीपी, अकाउंट नंबर शेयर मत कीजिए. कोई जालसाजी करे तो तुरंत पुलिस या साइबर सेल को सूचना दीजिए.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, क्या और भी किसी प्रकार की अरेस्ट होती है जिसे लेकर सावधान रहना चाहिए? हमारे डॉक्टर मित्र ने बताया है कि हमेशा फास्टफूड खाने, तनाव में रहने, व्यायाम न करने, रात में देर तक जागते रहने से कार्डियक अरेस्ट हो सकता है.'

हमने कहा, 'आप अपनी दिनचर्या सुधारकर स्वस्थ रह सकते हैं. वैसे आजकल एस्ट्रोलॉजी अरेस्ट भी होता है जिसे तथाकथित तांत्रिक और ज्योतिष के नाम पर ठगी करने वाले धूर्त चलाते हैं. ऐसे लोग आपकी कमजोर मानसिकता पकड़ते हैं. आपको कालसर्प दोष, पितृ दोष व काला जादू का डर दिखाकर ठगते हैं. ऐसे फर्जी बाबा के पास जब कोई महिला जाती है और पति से झगड़ा, संतान न हो पाना, पति या प्रियजन की जानलेवा बीमारी का उल्लेख करती है, प्रेमी द्वारा धोखा देने की बात बताती है तो एस्ट्रोलॉजी अरेस्टर समझ जाता है कि यह आसान शिकार है. वह कालरात्रि पूजा, अघोर पूजा, सिर्फ महिला के साथ तांत्रिक अनुष्ठान, ग्रहों को वश में करने की सलाह देता है. ऐसे पाखंडियों से बचकर रहना चाहिए.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12304 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	■	4	5	
6		■	7	8			■
	■	9			■	■	10
11	12	■	13		14	15	
16		17	■	18			■
■	19		20		■	21	22
23	■	24		■	25	■	
26				■	27		

बाएं से दाएं
1.मोर की पूंछ के परों को इकट्ठा बांधकर बनाया हुआ चंवर 4. तपना, गरम होना, ताप या दुख से पीड़ित होना, गुस्से से लाल होना 6. आहुति देने की वस्तु या सामग्री (सं.) 7. बलिष्ठ, ताकतवर, शक्तिशाली 9. मेल, मिलाप, संधि11. ज्योनार, बहुत से लोगों का एक साथ बैठकर भोजन करना 13. इंद्रवधू, एक छोटा रेंगने वाला कीड़ा जो लाल रंग का होता है 16. कलसा, धातु या मिट्टी का बड़ा घड़ा 18. कहानी, वृतांत 19. निशाचर, उल्लू 21. कस्तूरी की थैली जो मृग की नाभी में होती है 24. बुढ़ापा, थोड़ा, कम 26. नफीरी, मुंह से बजाने वाला एक बाजा 27. सफेद रंग की गाय (सं.)

ऊपर से नीचे
1. एक प्रकार का हलवा 2. सूर्य 3. बंदूक में घोड़े की कमानी 4. लोहे का छिछला गोल बर्तन जिस पर रोटी सेंकते हैं 5. जंगल 8. जो बल खाता गया हो 10. जड़ी, वनस्पति, भांग, किसी वस्तु पर बने फूल पत्तों के चिन्ह 12. विश्व, संसार, कुएं के ऊपर का चबूतरा 14. पुस्तक आदि रखने का कपड़े का थैला 15. आग में डालना, विपत्ति में फंसना 17. एक संकर जाति, वह जिसके माता-पिता का कुछ पता न हो 20. चरने या चराने का काम, चराने की उजरत 22. दूरी, अंतर 23. उत्साह, उबाल, उफान 25. कीच, कीचड़ (सं.)

Solution 12303

अ	नु	बं	ध	■	ब	त्ती	स
दी	■	धु	न	क	ना	■	मा
क्षि	ति	ज	■	ल	व	ली	न
त	■	न	र	म	ट	■	ता
■	गि	■	त	ना	■	श	■
स	रा	ह	ना	■	प्र	ल	य
भा	व	■	रा	ज	यो	ग	■
■	ट	हू	■	■	ग	म	न

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अनावश्यक वाद विवाद होगा. मन में तनाव रह सकता है. व्यर्थ चिन्ताओं से कार्य में व्यवधान आयेगा. व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी. आकस्मिक क्रोध की स्थिति बन सकती है. शुभ समाचार प्राप्त होने का योग है. वर्ष के अन्त में नये स्त्रोतों में वृद्धि होगी. रूके कार्यो में गति आयेगी. धार्मिक कार्यो में व्यय होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आय के नवीन स्त्रातों में वृद्धि होगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का अधिकारी के सहयोग से लाभ होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को अनावश्यक विवादहो सकता है. सिंह राशि के व्यक्तियों के रूके कार्यो में गति आयेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शुभ समाचार मिलेगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ का वाद विवाद से मुक्ति मिलेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को भागदौड़ अधिक होगी. अत्याधिक क्रोध की स्थिति न आने दें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक हंसमुख, मिलनसार होगा. खेलकूद के प्रति रूचि रहेगी. बचपन में स्वास्थ्य पीड़ा होगी. बाद में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. माता पिता का भक्त होगा. मनोवांछित सफलता मिलेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

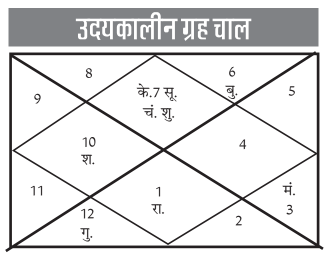

पंचांग

रा.मि. 09 संवत् 2083 आषाढ कृष्ण प्रतिपदा भौमवासरे दिन-रात, पूर्वाषाढ़ नक्षत्रे दिन-रात, ब्रह्म योगे दिन 3/58, बालव करणे सू.उ. 5/13, सू.अ. 6/47, चन्द्रचार धनु, शु.रा. 9, 11, 12, 3, 5, 7 अ.रा. 10, 1, 2, 4, 6, 8 शुभांक- 2, 4, 8.

व्यापार भविष्य

आषाढ कृष्ण प्रतिपदा को पूर्वाषाढ़ नक्षत्र के प्रभाव से गेहू, जौ, चना, गुड़ खांड़, शक्कर मूॅंगफली तेलों में तेजी होगी. वायदा विचार आज 2 बजकर 11 मिनिट से 10 मिनिट के रूख पर व्यापार करके लाभ उठाना हितकर रहेगा. भाग्यांक 1583 है.

मेष- दूसरों के सुझावों को दिल से स्वीकार करेंगे, लाभ की संभावना बनेगी. राजकीय कार्य में सफलता मिलेगी. निकटजनों का मार्गदर्शन मिलेगा.

वृषभ- उलझे मामले चतुराई से सुलझा लेंगे. जरूरतमंदों की मदद करके खुशी मिलेगी. किसी प्रिय व्यक्ति से मानसिक पीड़ा होगी. लाभ कम व्यय की अधिकता रहेगी.

मिथुन- झूठ बोलकर अपना नुकसान कर लेंगे. मेहमानों की आवाजाही बनी रहेगी. कार्यो में व्यस्तता रहेगी. आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा.

कर्क- आलोचना से घबराने की बजाये, डटकर मुकाबला करें. नुकसान से बच सकते हैं. मन में शांति और संतोष बना रहेगा. आय के मार्ग प्रशस्त होंगे.

सिंह- लगातार नुकसान से आत्मविश्वास कमजोर पड़ सकता है, नये संपर्को से लाभ होगा. शत्रुओं पर आपका प्रभाव रहेगा. लाभ संचित होगा. कोई बात मालुम होगी.

कन्या- सपने साकार करने के लिये मेहनत बढ़ाना आवश्यक है. विवादों से दूर रहें. मन में विशेष प्रसन्नता रहेगी. अतिथि आगमन का योग है.

तुला- युवाओं को कैरियर की चिन्ता रहेगी. तनाव की स्थिति में फैसला लेना मुश्किल है. पराक्रम में वृद्धि होगी. नौकर चाकर एवं अधिनस्थ का सहयोग रहेगा.

वृश्चिक- जीवनसाथी के व्यवहार से खिन्नता रहेगी. मांगलिक खर्च की रूपरेखा बनेगी. मित्रों एवं कुटुम्बियों से सहयोग मिलेगा. मानसिक संतोष रहेगा.

धनु- प्रियजन से मुलाकात उपयोगी रहेगी. ले देकर काम करवाने में नुकसान होगा. भ्रमण मनोरंजन एवं आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी. प्रयत्न करने पर लाभ होगा.

मकर- प्रापर्टी को लेकर चल रहे विवाद उभर सकते है. कोई पुराना काम बनेगा. दूर दराज की यात्राओं का योग है. सफ्लता प्राप्त होगी. रूका धन प्राप्त हो सकता है.

कुम्भ- अटके कार्य को समेटने में सफ्लता मिलेगी. कानूनी मामले सुलझेंगे. प्रयत्न करने पर लाभ होगा. निजी कार्यो की रूपरेखा तैयार होगी.

मीन- अनुशासन की कमी से कार्यस्थल पर अव्यवस्था हो सकती है, लेनदेन के मामले सुलझ जायेंगे. पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी.

SUDOKU 7436

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकु 7435

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4